AE-628

M.A. (Previous)
Term End Examination, 2016-17

HINDI

Compulsory

Paper - I

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 100
[*Minimum Pass Marks* : 36

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यावतरणों में से किन्हीं **तीन** की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) देख-देख राधा रूप अपार।

अपरूप के विहि आनि मिलाओल

खिति तल लावन-सार॥

अंगहिं अंग अनंग मुरछाइल,

हेरए पड़ए अधीर।

(2)

मनमथ कोटि मथन करूं जे जन,

से हेरि महि-मधि गीर॥

(ख) सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।

लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावन हार॥

सतगुरु साँचा सूरवाँ, सबद जु पाह्या एक।

लागत ही मैं मिल गया, पड़्या कलेजे छेक॥

(ग) दहि कोयला भइ कंत सनेहा, तोला मास रहा नहिं देहा॥

रकत न रहा विरह तन गरा, रती-रती होइ नैनन्ह ढरा॥

पांय लागि जोरै धनि हाथा, जारा नेह जुड़ाबहु नाथा॥

बरसि दिवस धनि रोइ कै, हारि परी चित झाँकि॥

मानुस घर-घर बूझि कै, बूझै निसरी पाँखि॥

(घ) ऊधौ मन न भये दस-बीस।

एक हुतौ सो गयो स्याम संग को आराधै ईस॥

भईं अति सिथिल सबै माधव बिनु ज्यों देही विन सीस।

स्वास अटकि रही आसा लगि जीवहिं कोटि बरीस॥

तुम तो सखा स्यामसुन्दर के, सकल जोग के ईस।

सूरदास सुन रस की बतियाँ पुरवौ मन जगदीश॥

(ङ) राम दूत मैं मातु जानकी। सत्य सपथ करूणा निधान की॥

यह मुद्रिका मातु मैं आनी। दीन्हि राम तुम कहुँ सहिदानी॥

नर वानरहिं संग कहु कैसें। कही कथा भइ संगति जैसें॥

कपि के वचन सप्रेम सुनि, उपजा मन विश्वास।

जाना मन क्रम वचन यह, कृपासिन्धु कर दास॥

(च) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी
लुकाय।
सौंह करै भौंहनि हँसै, दैन कहै नटि जाय॥
तंत्री नाद कवित्त रस, सरस राग रति रंग।
अन बूढ़े, बूढ़े, तरे जे बूढ़े सब अंग॥

2. विद्यापति भक्त कवि हैं अथवा शृंगारी? सतर्क विवेचना कीजिए। 15

अथवा

कबीर की दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

जायसी के काव्य का काव्य सौन्दर्य उद्‌घाटित कीजिए।

3. भ्रमरगीत परम्परा में सूर का स्थान निर्धारित कीजिए। 15

अथवा

समन्वयवाद की दृष्टि से तुलसी के काव्य की समीक्षा कीजिए।

अथवा

मुक्तक काव्य की दृष्टि से बिहारी के काव्य की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×4

(क) ''रसखान सचमुच रस की खान है।'' स्पष्ट कीजिए।

(ख) खुसरो की पहेलियों का परिचय दीजिए।

(ग) रैदास की भक्ति भावना पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(घ) राष्ट्रीय चेतना की दृष्टि से भूषण के काव्य की समीक्षा कीजिए।

(ङ) पद्माकर के कृतित्व का परिचय दीजिए।

(च) केशव की भाषा पर प्रकाश डालिए।

(छ) ''नीतिपरक दोहे लिखने में रहीम को सर्वाधिक सफलता मिली है।'' कथन को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×10

(क) 'रामचन्द्रिका' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ख) 'पद्मावत' किस बोली में लिखा गया है?

(ग) 'कृष्णगीतावली' किसकी रचना है?

(घ) घनानन्द की प्रेमिका का नाम लिखिए।

(ङ) 'विनयपत्रिका' में कुल कितने पद हैं?

(च) बिहारी रीतिकाल की किस काव्यधारा के कवि हैं?

(छ) 'अति सूधो सनेह को मारग है' पंक्ति किस कवि की है?

(ज) 'अष्ठछाप' के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।

(झ) सूफीमत के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।

(ञ) सूरदास ने किस भाषा में रचना की है?

(ट) रामभक्ति शाखा के किन्ही दो कवियों के नाम लिखिए।

(ठ) पूर्व मध्यकाल कब से कब तक माना जाता है?

(ड) 'अखरावट' किसकी रचना है ?

(ढ) आदिकाल को वीरगाथा काल नाम किसने दिया ?

(ण) ऋतुवर्णन के लिए कौन प्रसिद्ध हैं ?

———